समाजवाद एवं साम्यवाद

Set-3

Chapter -2

©

Top 5

HISTORY

Short Questions

Total Objective Questions in Set= 5

xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx

1. नई आर्थिक नीति मार्क्सवादी सिद्धांतों के साथ समझौता थी। कैसे?

उत्तर-

नई आर्थिक नीति में कुछ बातें ऐसी थीं जो समाजवाद से दूर तथा पूँजीवाद के निकट थीं जैसे-

I. किसान अपने अधिशेष उत्पाद का मनचाहा इस्तेमाल कर सकता था।
II. केवल सिद्धान्ततः जमीन राज्य की थी जो व्यवहारतः किसान की हो गई।
III. 20 से कम कर्मचारियों वाले उद्योगों को व्यक्तिगत रूप से चलाने का अधिकार मिल गया।
IV. उद्योगों का विकेन्द्रीकरण कर दिया गया तथा निर्णय और क्रियान्वयन के बारे में काफी छूट दी गई
V. विदेशी पूँजी भी सीमित तौर पर आमंत्रित की गई।
VI. व्यक्तिगत संपत्ति को मान्यता मिली

2. खूनी रविवार क्या है?

उत्तर-

1905 ई० के रूस-जापान युद्ध में रूस एशिया के एक छोटे-से देश जापान से पराजित हो गया। पराजय के अपमान के कारण जनता ने क्रांति कर दी। 9 जनवरी, 1905 ई० में लोगों का समूह प्रदर्शन करते हुए सेंट पिट्सबर्ग स्थित महल की ओर जा रहा था। जार की सेना ने इन निहत्थे लोगों पर गोलियाँ बरसाईं जिसमें हजारों लोग मारे गये। यह घटना रविवार के दिन हुई, अतः इसे खूनी रविवार के नाम से जाना जाता है।

3. समाजवाद की क्या विशेषताएँ थीं?

उत्तर-

समाजवाद के उदय का कारण औद्योगिक क्रांति थी। हालांकि ऐतिहासिक दृष्टि से समाजवाद का विकास दो चरणों में हुई। मार्क्स के पूर्व का समाजवाद एवं मार्क्स के बाद का सामाजवाद यूरोपियन समाजवाद पूराना था। यह समाजवादी आदर्शवादी होते थे। यह समाजवाद कल्पनालोकीय या स्वप्नलोकीय समाजवाद के नाम से भी जाना जाता है। जो व्यवहारिक नहीं थे। वैज्ञानिक समाजवाद वर्ग संघर्ष के माध्यम से उभरा

था। इनके विचारवाद प्रतिवाद संश्लेषण पर आधारित था इसलिए एक यथार्थवादी था तो दूसरा आदर्शवादी

4. क्रांति से पूर्व रूसी किसानों की स्थिति कैसी थी?

उत्तर-

क्रांति से पूर्व कृषकों की स्थिति अत्यंत. दयनीय थी। वे अपने छोटे-छोटे खेतों में पुराने ढंग से खेती करते थे। उनके पास पूँजी का अभाव था। वे करों के बोझ से दबे थे। समस्त कृषक जनसंख्या का एक-तिहाई भाग भूमिहीन था। उनकी स्थिति अर्द्ध दासों जैसी थी।

5. रूस की क्रांति ने पूरे विश्व को प्रभावित किया। किन्हीं दो उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें।

उत्तर-

रूस की क्रांति ने इस प्रकार पूरे विश्व को प्रभावित किया—

I. इस क्रांति ने विश्व को दो विचारधाराओं में बाँट दिया।
II. इस क्रांति ने आर्थिक नियोजन का नया प्रारूप प्रस्तुत किया, जिसे पूर्ववर्ती देशों ने अपनाना शुरू किया।